महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय
जगाधरी

हरियाणा उच्चतर शिक्षा निदेशालय

के सौजन्य से

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिन्दी पत्रकारिता और मीडियाः

भूत, वर्तमान एवं भविष्य

संयोजनः हिन्दी विभाग,

दिनांक 28 फरवरी 2023

यमुनानगर-जगाधरी के बारे में

यमुनानगर-जगाधरी शहर सहारनपुर से 37 किलोमीटर, अम्बाला से 54 और कुरूक्षेत्र से 46 किलोमीटर की दूरी पर रेल एवं सड़क मार्ग से बहुत अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। यहा से दिल्ली, चण्ड़ीगढ़, सहारनपुर, मेरठ, हरिद्वार, रूड़की, देहरादून आदि सहित सभी महत्वपूर्ण स्थानों से सीधी बस सेवा है। सहारनपुर के माध्यम से पंजाब की ओर जाने वाली लगभग सभी ट्रेनें यमुना नगर-जगाधरी रेलवे स्टेशन पर रुकती हैं।

आमतौर पर फरवरी में मौसम खुशनुमा रहता है, हालांकि हल्के उनी कपड़ो की जरूरत पड़ सकती है। जिले का बड़ा हिस्सा शिवालिक तलहटी के अंतर्गत आता है। यमुनानगर जिले का क्षेत्र उत्तर में हिमाचल प्रदेश राज्य, पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य, पश्चिम में अंबाला जिले और दक्षिण में करनाल और कुरूक्षेत्र जिलों से घिरा है। इसी बीच है जगाधरी शहर, जो पीतल, ताम्बा व स्टील उद्योग के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक दृष्टि से जगाधरी को ़युगांधरी अर्थात यंज्ञांधरी अर्थात जहॉ ऋषि-मुनी ऋषिकेष, हरिद्वार के मध्यमार्ग में रूक कर ़यज्ञो का आयोजन किया करते थें। इसी पवित्र धरा पर 11 एकड़ भूखण्ड़ में, महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, जगाधरी स्थापित है।

महाविद्यालय के बारें मेः

महाराजा अग्रसेन स्नातकोत्तर महाविद्यालय . जगाधरी का हिंदी विभाग उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा, पंचकूला के सौजन्य से उपर्युक्त विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 28 फरवरी दिन मंगलवार को करने जा रहा है । हमें विश्वास है कि हिंदी पत्रकारिता और मीडिया, उसका भूत, वर्तमान और भविष्य अवश्य ही विद्वान स्रोत वक्ताओं एवं विषय विशेषज्ञों के विचारों से पूर्णतः फलीभूत होगा। इस आयोजन में हिंदी विभागों से संबंधित प्राध्यापकों, पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्राध्यापकों और इन से संबंध विद्यार्थियों तथा जन संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में रुचि रखने वाले प्राध्यापकों, शोधार्थियों को शोध पत्र लेखन, आलेख प्रस्तुत करने और उपयोगी ज्ञान प्रद विचारों को सुनने के लिए एक अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

नियमावलीः

आलेख व शोध पत्र हार्ड कॉपी, सॉफ्ट कॉपी अथवा टाइप कॉपी के रूप में पंजीकरण के समय जमा करवाएं । हमारा दृढ़ निश्चय है कि हम आपके उपयोगी शोध पत्रों व आलेखों को शीघ्र ही आई.एस.बी.एन नंबर सहित पुस्तक में प्रकाशित करवा सकेगें।

आप अपने शोध पत्र एवं आलेख मूल विषय सहित निंलिखित उप विषयों पर भी तैयार कर सकते हैं। जैसे

1. हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभिक विकास एवं परंपरा
2. हिंदी पत्रकारिता के आरंभिक दौर में हिंदी कवियों व लेखकों का योगदान
3. समाज सुधारक नवजागरण की भूमिका निभाने में पत्र पत्रिकाओं का योगदान
4. वैश्वीकरण एवं भौतिकवाद का दौर : चारों तरफ सूचना प्रौद्योगिकी का शोर
5. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बढ़ता प्रभावः लघु पत्र.पत्रिकाओं के लिए खतरा
6. वैश्विक समस्याओं, घटनाओं, महामारी आदि विषय पर वर्तमान में मीडिया की भूमिका
7. जन संचार क्रांति : युवा वर्ग के लिए आजीविका व रोजगार प्राप्ति के रूप में।
8. सूचना प्रौद्योगिकी की सहज उपलब्धता : युवा शक्ति एवं संस्कृति. संस्कारों को खतरा ।

आंमत्रित वक्ताः

- श्री मुकेश भारद्वाज, प्रधान, सम्पादक, जनसत्ता, नई दिल्ली।
- श्री राजीव रंजन रॉय, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार, चण्ड़ीगढ
- डॉ. प्रदीप रॉय, सहायक प्रौफेसर, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरूक्षेत्र।

पंजीकरण प्रक्रिया :

1. 28 फरवरी 2023 को प्रातः 8:00 से 9:30 बजे तक पंजीकरण प्रक्रिया जारी रहेगी।
2. प्राध्यापकों के लिए पंजीकरण शुल्क ₹300 होगा व शोधार्थियों, विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क ₹100 होगा
3. शोध पत्र मौलिक विचारों पर आधारित होना चाहिए
4. शोध पत्र का आकार विषय के अनुरूप रखें
5. सभी सहभागियों को राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
6. प्राध्यापक जिस भी संस्था से आते हैं वे अपना टी.ए एवं डीए अपनी ही संस्था से नियमानुसार ग्रहण कर सकते हैं ।

मुख्य संरक्षकः

श्री सुशील गुप्ता, प्रधान, प्रबंधक समिति, महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, जगाधरी

संरक्षकः

डॉ. पी.के. बाजपेयी, प्राचार्य, महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, जगाधरी

संयोजकः

डॉ. बहादुर सिंह, हिन्दी विभागाध्यक्ष, महाराजा अग्रसैन महाविद्यालय, जगाधरी

आयोजन सचिवः

प्रो. गौरव बरेजा, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग

डॉ, विजय चावला, सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग

डॉ, अनिल कुमार, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग